KENDRIYA VIDYALAYA NO. 1 BEG & C ROORKEE UTTARAKHAND

Save water project 2020

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक – एक
KENDRIYA VIDYALAYA NO. 1
DECLARED AS-PREMIUM SCHOOL (CHANAKYA RANK
केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA BEG
ROORKEE
KV NO-1

SAVE WATER PROJECT 2020

HOW TO CONSERVE WATER
HOW TO INCREASE ITS EFFICIENCY
HOW TO MANAGE WATER

RAIN-WATER USE FOR LIFE

DURING COVID 19 SAVE WATER AWARENESS

Drive
10:52 AM
86%
docs.google.com
जल संरक्षण
Questions
Responses 686
Total points: 20
जल संरक्षण
हमारा दायित्व ही नही
कर्तव्य भी है।
केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-एक
रुड़की द्वारा "जल-संरक्षण"
पर आधारित प्रश्नोत्तरी
प्रतियोगिता
जल है तो कल है
Email address *

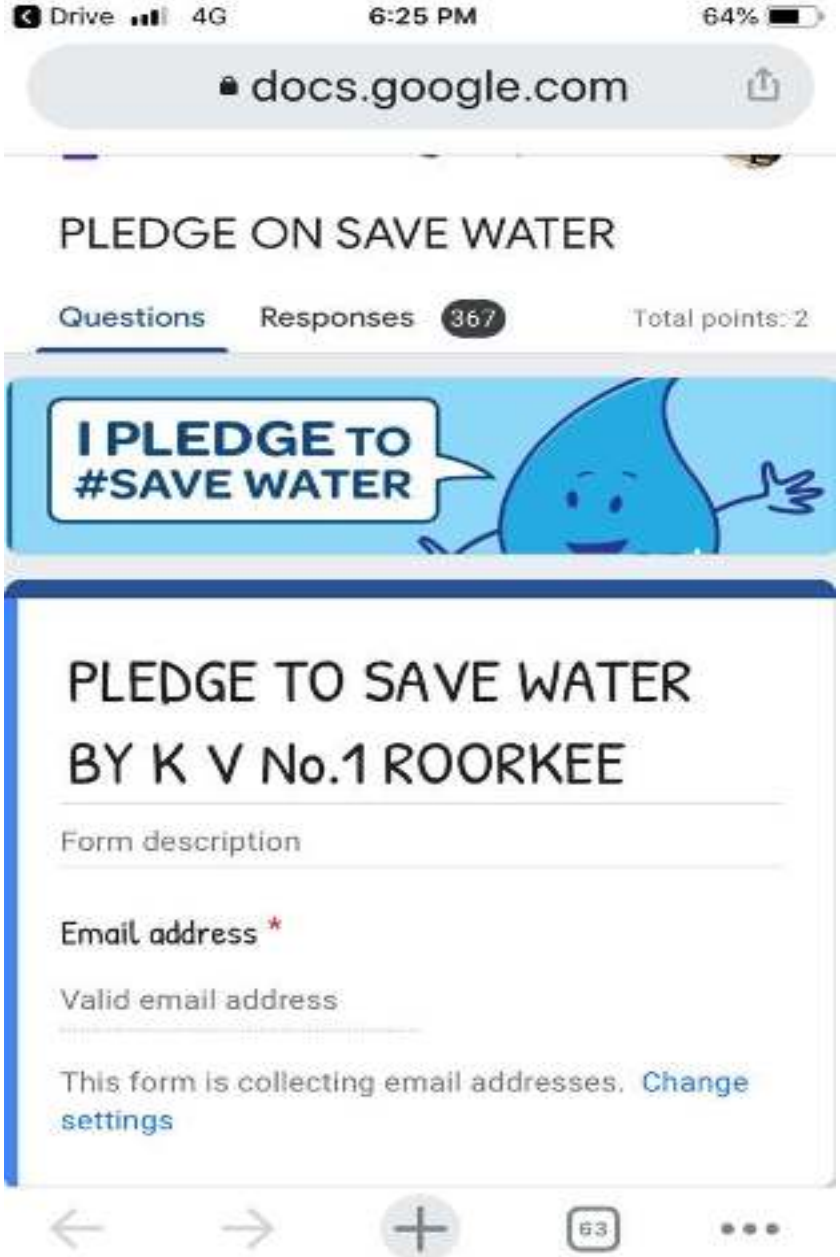
Drive
4G
6:25 PM
64%
docs.google.com
PLEDGE ON SAVE WATER
Questions
Responses 367
Total points: 2
I PLEDGE TO
#SAVE WATER
PLEDGE TO SAVE WATER
BY K V No.1 ROORKEE
Form description
Email address *
Valid email address
This form is collecting email addresses. Change settings

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक - 1
बी. ई. जी. एवं सी. रुड़की

जल संरक्षण: जरुरत भी है और कर्तव्य भी

सहभागिता प्रमाण - पत्र

Dr. Beena Karnatak, TGT English

को केंद्रीय विद्यालय क्रमांक - 1 रुड़की द्वारा "जल-संरक्षण" पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाता है|

पूनम कुमारी
संयोजिका

दिनांक : 24-9-2020

वी के त्यागी
प्राचार्य

KENDRIYA VIDYALAYA NO. 1
B E G & C, ROORKEE

CERTIFICATE OF COMMITMENT

THIS CERTIFICATE IS PROUDLY PRESENTED TO

Mitali Pundir , XI - C

For Participating in "Water Conservation Pledge"
to Save Water Organised by
Kendriya Vidyalaya No.1 Roorkee

POONAM KUMARI
(LIBRARIAN)

Date : 18-1-2021

V. K. TYAGI

Made for free with Certify'em

Airtel 9:41 AM 90%

Touch to return to call 13:05

docs.google.com

PLEDGE ON SAVE WATER

Questions Responses 851 Total points: 2

"जो पानी को बचाएगा 💡 समझदार वो कहलाएगा"

PLEDGE TO SAVE WATER BY K V No.1 ROORKEE

Form description

Email address *

Valid email address

This form is collecting email addresses. Change settings

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक - 1, बी. ई. जी. एवं सी. रुड़की

वेबिनार - जल संरक्षण

२९ सितम्बर २०२०, अपराह्न 2.३० बजे से 4.०० बजे तक

Dr. V C Goyal
Scientist G
& Head, Research Management and Outreach Division,
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

Er. Omkar Singh
Scientist F
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

SH. V. K. TYAGI
प्राचार्य
के. वि. क्र. - 1
रूड़की

SMT. ANJU SINGH
उप प्राचार्या
के. वि. क्र. - 1
रूड़की

दिनांक: २९ सितम्बर २०२०
अपराह्न 2.३० बजे से 4.०० बजे तक

प्रतिभागिता के लिए लिंक पर रजिस्टर करें
https://forms.gle/BTApQ8cdVEdJ9pSB7

सभी वेबिनार प्रतिभागी प्रमाण-पत्र प्राप्त करेंगे

KENDRIYA VIDYALAYA NO. 1
B.E.G & C. ROORKEE (UTTARAKHAND) PIN CODE - 247667

AWARENESS ACTIVITIES IN VIDYALAYA

CLASS IIA
PATTERNS
LONG AND ROU
SAVE WATER

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 बी.ई.जी. एवं सी.
जल संरक्षण जागरूकता पखवाड़ा
जल है तो कल है
कितने बूंदों से सागर बनता है?
पानी बचाओ, हर एक बूंद जरूरी है.
SAVE WATER
SAVE WATER
WATER CONSERVATION

DON'T WASTE IT
RAIN WATER
USE
FOR
LIFE

Save
Water
and
Earth
Eyes of
Mother nature
DRY LAKE
Don't waste water
Save more water

Save
Water
Save
Nature

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 बी.ई.जी. एवं सी.
जल संरक्षण जागरूकता पखवाड़ा
जल है तो कल है
SAVE RAINWATER
WATER IS PRECIOUS
DON'T WASTE IT

water
IS
LIFE
Every
Drop
SAVE WATER
SAVE
WATER
SAVE
LIFE
SKY
RAIN
WATER SAVE
Save every drop !
Our
World
Depends
On
It
Gain from
Rain
Save
Every
Drop
TANK

SAVE
WATER
SAVE
LIFE

MODELS ON WATER HARVESTING

जल है तो कल है

Computer Centre
Hydrology Project-II Cell
Indian National
Maintenance
Documentation Cell
Hindi Cell
LABORATORIES
Hydrological Instrumentation
Nuclear Hydrology
Numerical Ground Water Modelling
Remote Sensing Applications & GIS
Snow & Glacier
Soil Water
Water Quality
BUILDINGS
NIH Main Building
Laboratory Block
Auditorium
Guest House
Staff Colony
Technical and non-technical staff
Books
Round Periodicals
Technical Reports
Indian and Foreign Standards
Microfiches
Currently subscribing to Journals
Indian periodicals
Foreign periodicals
POCO
SHOT ON POCO F1

जल संरक्षण जागरूकता

POCO
SHOT ON POCO F1

AWARENESS FOR WATER CONSERVATION

ASHOKA HOUSE
Stay Positive
Better Days
Are On Their
Ways
School Life
How To Succeed In Life
TALK → SOFTLY
BREATHE → DEEPLY
DRESS → NEATLY
WORK → PATIENTLY
SHAMPOO → GENTLY
→ HONESTLY
SAVE → REGULARLY
This Is Tree Tree
SAVE WATER

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 बी.ई.जी. एव
जल संरक्षण जागरूकता पखवाड़ा
जल है तो कल है
SAVE WATER

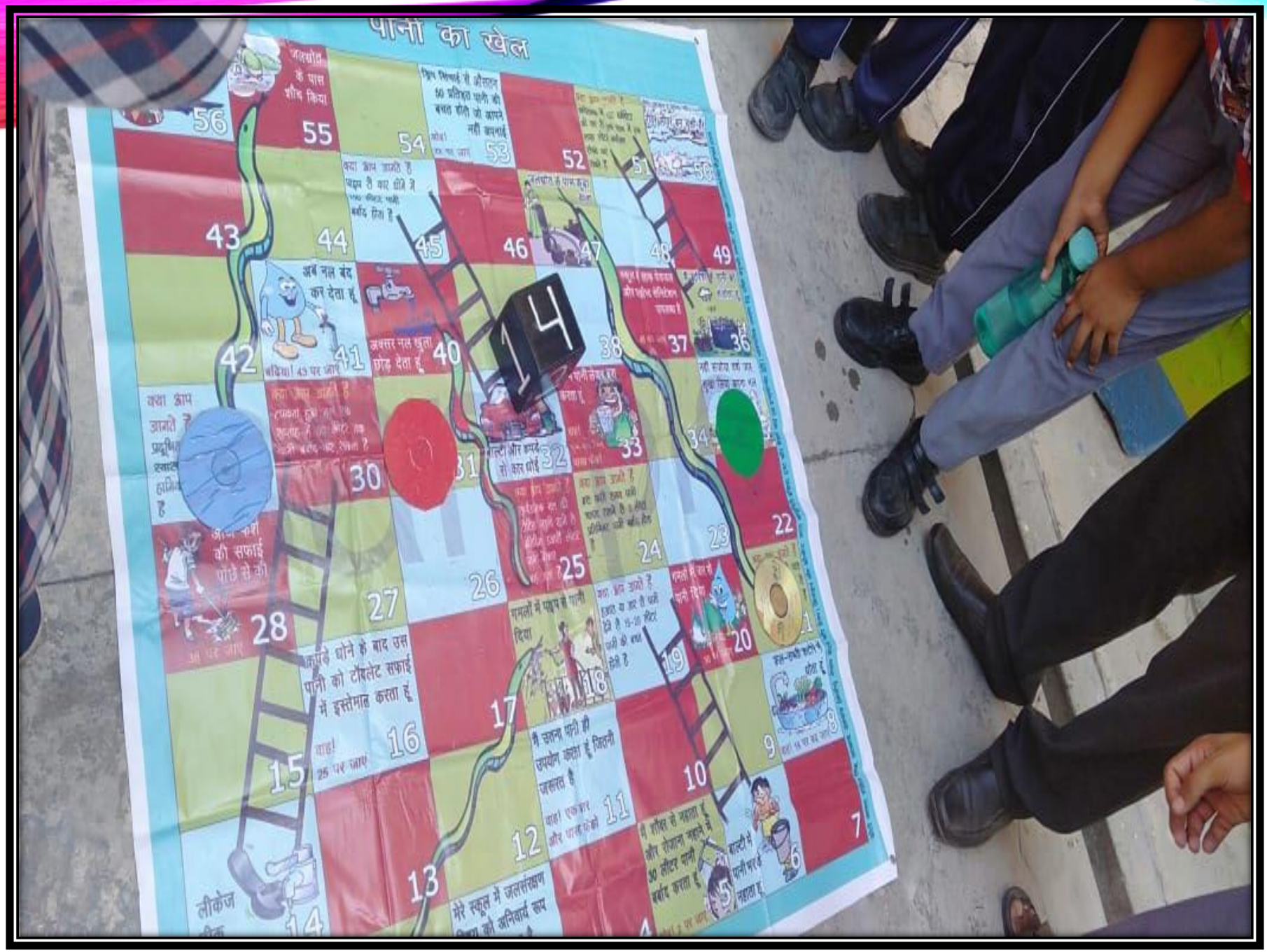
पानी का खेल
अब नल बंद कर देता हूं
अक्सर नल खुला छोड़ देता हूं
बर्तन और कपड़े धो कर धोई
की सफाई पोंछे से की
कपड़े धोने के बाद उस पानी को टॉयलेट सफाई में इस्तेमाल करता हूं
मेरे स्कूल में जलसंरक्षण
लीकेज

पेड-पौधे मत करो नष्

FREE HAND DRAWING

SAVE
EVERY

HOUSE PREFECT

OUR VIDYALYA IN NEWS ON WATER CONSERVATION

रुड़की जागरण
www.jagran.com

मॉडल व पोस्टर से दिया जल संरक्षण का संदेश

केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में जल संरक्षण पर हुई प्रतियोगिताएं, प्रतिभागियों ने लोगों को जागरूक करने पर दिया जोर

सवाद सहयोगी, रुड़की: केंद्रीय विद्यालय नंबर-1 में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शन और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं ने जल संरक्षण के लाभ और उपाय बताए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. विकास गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया।

मुख्य अतिथि डॉ. विकास गोयल ने प्रदर्शन में छात्र-छात्राओं की ओर लगाए मॉडल देखकर। साथ ही बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर को सराहा। उन्होंने जल संकट के बारे में जानकारी देते हुए कि जलसंकट से जुड़ा एक पहलू यह भी है कि जब पहाड़ों पर हरियाली घटती है तो वहां बर्फ के जमाव तथा वहां की नमी में कमी आ जाती है। इसी तरह मैदानों और पठारों पर जब वनस्पतियां घटने लगती हैं तो वहां औसत वर्षा की मात्रा में क्रमिक रूप से ह्रास होने लगता है। इसका सीधा असर भूमिगत जल के स्तर पर पड़ता है क्योंकि जहां वर्षा कम होगी, तालाबों, पहाड़ों और झीलों में जल जमाव कम होगा, वहां भूमिगत जल का स्तर भी घटेगा। इस तरह देखें तो पर्यावरण का एक पहलू उसके दूसरे पहलू से जुड़ा हुआ है। ज्यों-ज्यों मानव पर्यावरण की उपेक्षा करेगा त्यों-त्यों उसे जलसंकट, वायुसंकट जैसे कई संकटों का सामना करना पड़ेगा।

प्राचार्य वी.के त्यागी ने कहा कि धरती पर सभी जीवित प्राणियों के लिए जल अमृत के समान है। जल के बिना धरती के किसी भी प्राणी का जीवन संभव नहीं है। उन्होंने जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर एसके दीक्षित, आलोक गुप्ता एवं सुशील यादव सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

रुड़की केंद्रीय विद्यालय नंबर-1 में प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि • जागरण

पेशी पर कोर्ट पहुंचा रोबिन खोखर

कोर्स के लिए लड़कियों ने कराया पंजीकरण

सवाद सहयोगी, रुड़की: चीन वसूली के एक मामले में कुख्यात रोबिन खोखर को कड़ी सुरक्षा में बी-वारंट पर रुड़की की एसीजीएम कोर्ट लाया गया। जहां मंगलनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश ने कोर्ट की अनुमति पर रोबिन खोखर के बयान दर्ज किए।

कुख्यात सुशील गढ़ी के गुर्गे रोबिन खोखर की तलाश में जुटी हुई थी। पिछले दिनों कुख्यात रोबिन खोखर ने उत्तर प्रदेश में पंजीकृत किसी आपराधिक मामले में कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। आत्मसमर्पण के बाद से ही रोबिन खोखर उत्तर प्रदेश की बागपत जेल में बंद है।

मंगलनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश ने बताया कि रोबिन खोखर को गए। कोर्ट ने रोबिन खोखर का 14 दिन से ग्राम डंडेरी खजांचीपुर में ब्यूटी का न्यायिक रिमांड मंजूर किया गया। पार्लर कोर्स निश्शुल्क आयोजित इंस्पेक्टर राजेश साह ने बताया कि इस किया जा रहा है। क्लब के कार्रवाई के बाद आरोपित को वापस बागपत जेल भेज दिया गया है। कुख्यात रोबिन खोखर की पेशी होने के चलते पुलिस और एसओजी की टीम सुबह से ही सक्रिय रही। कोर्ट परिसर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही।

कुमार गुप्ता ने कोर्स का शुभारंभ किया। अध्यक्ष दिलीप प्रधान ने बताया कि प्रतिभागियों को तीन माह में कोर्स पूरा कराया जाएगा। कोर्स के लिए 22 लड़कियों ने

सगन्ध पौधा केन्द्र (कैप)
औद्योगिक आस्थान, सेलाकुई-248011, देहरादून, उत्तराखण्ड
टेलीफैक्स-0135-2698305, ईमेल-Cap.dun@gmail.com

विज्ञापन संख्या:-3/2019-20
कार्यालय भवन की आवश्यकता

सगन्ध पौधा केन्द्र, सेलाकुई, देहरादून को शासकीय कार्यों के प्रयोजनार्थ जनपद-हरिद्वार के भगवानपुर में किराये पर भवन की आवश्यकता है जिसका कार्पेट एरिया लगभग 500 वर्गफीट हो तथा भवन सड़क मार्ग से जुड़ा हो। भवन में तीन कमरे 10 X12 वर्गफीट अटैच टॉयलेट वॉशरूम तथा बिजली पानी की समुचित व्यवस्था हो। भवन के प्रस्ताव मानचित्र सहित

किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फेर देता है। वहीं, क्षेत्र के

बृजपाल, शीशपाल, सोमपाल, संदीप कुमार आदि मौजूद थे।

सोलानी नदी में जलस

'मुझे बर्बाद मत करो पानी हूं मैं'

माई सिटी रिपोर्टर

रुड़की। जिसे अब तक न समझे वह कहानी हूं मैं, मुझे बर्बाद मत करो पानी हूं मैं... जैसे स्लोगन और कविताओं के साथ केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में मंगलवार को जल संरक्षण दिवस मनाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने जल संरक्षण पर कई मॉडल प्रस्तुत किए।

केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में मनाया गया जल संरक्षण दिवस

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैज्ञानिक डॉ. विकास गोयल ने 12वीं के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि औसत वर्षा कम होने से भूजल स्तर कम हुआ है। जैसे-जैसे हम पर्यावरण की उपेक्षा करेंगे, हमें जल और वायु संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चार लोगों का एक परिवार दिन में औसतन करीब 960 लीटर पानी का इस्तेमाल करता है। जिस पानी का इस्तेमाल हम बाग, टॉयलेट, साफ-सफाई के लिए करते हैं, उसमें से अगर कुछ कंजूसी की जाए तो बहुत पानी बचाया जा सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीके त्यागी ने कहा कि धरती पर सभी जीवित प्राणियों के लिए जल अमृत के समान है। जल के बिना धरती के किसी भी प्राणी का जीवन संभव नहीं है।

माई सिटी रिपोर्टर

खानपुर। मंगलवार
जलस्तर में गिरावट
जलस्तर घटने से लो
ली है। उधर, वहीं सोल
बढ़ने लगा है। सोलान
से इसके आसपास
चिंताएं बढ़ने लगी है।

लगातार बारिश के
नदी का जलस्तर ब
बढ़ने से गंगा नदी
पिछले वर्ष से क्षतिग्रस
प्रदेश के रामसहाय
बेला गांव के साथ ही
बालावाली गांव की
था। इसके चलते
रामसहायवाला और
वाला मार्ग क्षतिग्रस्त
को गंगा नदी का ज
घटना शुरू हो गया
गंगा नदी का जलस्तर
किया गया था।

वहीं मंगलवार को
291.35 मीटर रह
नदी में मंगलवार को
है। इसे लेकर सोलानी
के ग्रामीणों की धड़क
बारिश भी लगातार ज

जीवन के लिए पानी का संरक्षण : डा. गोयल

केवी-1 में हुआ जल संरक्षण दिवस का आयोजन, बच्चों को बताया जल का महत्व

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

रुड़की। जल जीवन के लिए बेहद आवश्यक है। इसके बिना जीवन विलुप्त हो जाएगा। इसलिए जितना हो सके उतना जल का संरक्षण करना चाहिए। जिस दिन जल की समाप्ति होगी उसी दिन पृथ्वी से सजीव प्राणियों की भी मृत्यु हो जाएगी। इसीलिए अभी से जल का संरक्षण करना आत्यधिक जरूरी है।

केंद्रीय विद्यालय नं.-1 रुड़की में मंगलवार को जल संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि एनआईएच वैज्ञानिक डॉ विकास गोयल रहे। इस मौके पर बच्चों ने जल संरक्षण से संबंधित स्लोगन और कविताएं लिखी और बारिश के पानी को किस तरह बचा कर घर के अन्य कार्यों के लिए उपयोग में ला सकते हैं, इससे सम्बंधित मॉडल बनाए। बच्चों जल को और किस तरह से संरक्षित कर सकते हैं इसे जानने हेतु बैठ गए। बच्चों ने जल को कैसे संरक्षित किया जाए इस पर भाषण दिया। मुख्य अतिथि डा. विकास गोयल ने कहा कि जलसंकट से जुड़ा एक पहलू यह भी है कि जब पहाड़ों पर हरियाली घटती है तो वहां बरफ के जमाव तथा नदी की नमी में कमी आ जाती है। जहां वर्षा कम होगी, तालाबों, गड्ढों और झीलों में जल जमाव कम होगा, वहां भूमिगत जल का स्तर भी घटेगा। पानी को किस तरह से बड़ी आसानी से बचाया जा सकता है, इसके रास्ते बताये गए। घर का एक सदस्य दिन में करीब 240 लीटर का इस्तेमाल करता है। 4 लोगों का एक परिवार दिन में करीब 960 लिटर पानी और एक साल में करीब 3,50,400 लीटर पानी का इस्तेमाल करता है। मगर इसमें से केवल 3 प्रतिशत पानी का इस्तेमाल पिने के लिए और खाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है और बाकी के पानी का इस्तेमाल पौधों के लिए, टॉयलेट, नहाने के लिए, लांड्री और गार्डेनिंग में किया जाता है। पानी बचाने के कुछ आसान तरीके निचे दिए हैं। सभी ने खुद की जिम्मेदारी को समझते हुए पानी का कम से कम इस्तेमाल करना चाहिए और पानी की बचत करनी चाहिए। बारिश से मिलने वाले पानी को टॉयलेट धोने के लिए, लांड्री, बाग के पौधे को पानी देने के लिए और गार्डेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। टॉयलेट और शावर का इस्तेमाल करते वक्त भी हम जल की बचत कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जल संरक्षण के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग कैसे किया यह भी बताया। प्रधानाचार्य वीके त्यागी ने कहा कि जल ही जीवन है इस बात में कोई अतिशयोक्ति नहीं है। क्योंकि धरती पर सभी जीवित प्राणियों के लिए जल अमृत के समान है. जल के बिना धरती के किसी भी प्राणी का जीवन संभव नहीं है. हमारी धरती पर वैसे तो 70 जल ही है। लेकिन मनुष्य के लिए पीने लायक जल केवल 2 प्रतिशत ही है जो कि हमें भूमिगत, नदियों, तालाबों और वर्षा के पानी से उपलब्ध होता है, लेकिन दिनों दिन वर्षा की कमी के कारण भूमिगत जल में कमी आ गई है जिसके कारण पूरे विश्व में पानी की किल्लत हो गई है और अगर इसी तरह जल का दुरुपयोग होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब जल की कमी से पूरी पृथ्वी तबाह हो जाएगी. पृथ्वी पर से जीवन का सभी निशान मिट जाएंगे. उन्होंने पानी कि महत्वता बताते हुए कहा कि जिधर देखता हूं उधर तू ही तू है, ना तेरी सी खुशबू, न तेरी सी बू है।

97% 9:51 am
Swatantra Chetna
swatantrachetnanews.com

हालांकि, नगर के नालों की सफाई के लिए नगर निगम द्वारा 65 लाख रुपए का ठेका शहरी विकास मंत्री

लाइंस, पठानपुरा, जादूगर रोड, आवास-विकास, पुरानी तहसील,

जल जीवन के लिए बेहद आवश्यक

स्वतंत्र चेतना

●जल संरक्षण दिवस पर जल की संरक्षणता पर दिया जोर

रुड़की। जल हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। इसके बिना हमारा जीवन विलुप्त हो जाएगा। इसलिए हमें जितना हो सके उतना जल का संरक्षण करना चाहिए। जिस दिन जल की समाप्ति होगी उसी दिन पृथ्वी पर से सजीव प्राणियों की भी मृत्यु हो जाएगी। इसीलिए अभी से जल का संरक्षण करना आत्याधिक जरुरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय विद्यालय 1 रूड़की में मंगलवार को जल संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआइएच के वैज्ञानिक डा.वकास गोयल रहे। इस मौके पर बच्चो ने जल संरक्षण से संबंधित स्लोगन और कविताएँ लिखी व और बारिश के पानी को किस तरह बचा कर घर के अन्य कार्यों के लिए उपयोग में ला सकते हैं इससे सम्बंधित मडल बनाए व बच्चो जल को और किस तरह से संरक्षित कर सकते हैं इस को जानने हेतु बैठ गए। बच्चो ने जल को कैसे संरक्षित किया जाए इस पर भाषण दिया।

WORKSHOPS ON SAVE WATER

Water

R&D CAPABILITIES

LABORATORIES

(i) Nuclear Hydrology Lab (ii) Remote Sensing & GIS Lab (iii) Water Quality Lab (iv) Soil Water Lab (v) Hydrological Instrumentation Lab (vi) Hydro-meteorological Observatory

R&D CAPABILITIES

- Development and Application of Decision Support Systems
- Flood and Drought Studies
- Ground Water Hydrology & Managed Aquifer Recharge
- Hydrological Investigations
- Isotope Applications in Hydrology
- Remote Sensing & GIS Applications
- Reservoir Analysis
- Snow and Glacier Hydrology
- Hydrological Software Development
- Water Availability/Scarcity/Conservation
- Water Quality Studies
- Watershed Hydrology
- Climatic Change Impacts on Water Resources
- Lake Hydrology & Glacial Lake Outburst Flood Studies
- Environmental Flows Assessment
- Hydro-meteorological Observations
- Integrated Water Resource Management
- River Bank Filtration Studies
- Rejuvenation of Village Ponds

(वर्ष 2017-18)
मुख्य लाभार्थी : ग्राम-इब्राहिमपुर मसाही
संस्था: राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
तालाब की स्थिति नवीनीकरण से पहले
प्रमुख कार्य
1. जलकुंभी एवं अन्य खरपतवारों की तालाब से निकासी एवं निस्तारण
2. तालाब से सिल्ट की निकासी
3. तालाब की बाउन्ड्री की मरम्मत एवं कटीले तारों द्वारा सुरक्षात्मक उपाय
4. गांव के अपशिष्ट जल के शोधन के लिए गन्दाबकटेड वेटलैंड पद्धति पर आधारित प्राकृतिक उपचार तंत्र (नेचुरल ट्रीटमेंट सिस्टम) की स्थापना एवं फायटो-रेमीडियेशन विधि का विकास
तालाब की स्थिति नवीनीकरण के बाद
शीघ्र कार्य (प्रस्तावित)
- प्राकृतिक उपचार तंत्र (नेचुरल ट्रीटमेंट सिस्टम) द्वारा अपशिष्ट जल शोधन के लिए विकसित फायटो-रेमीडियेशन विधि की क्षमता का अध्ययन
संपर्क :
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रुड़की -247667 (उत्तराखंड)
विशेष अनुरोध:
कृपया तालाब में कूड़ा न फेंके और ताल
को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।

Monitoring the Benefits of Decentralised Wastewater Treatment in Ibrahimpur-Masahi Village (Dist. Haridwar, Uttarakhand, India)

A collaborative Study between the
National Institute of Hydrology (Roorkee) &
Centre for Ecology & Hydrology (UK)

Main Aims of Study

1) To assess the improvements in water quality and ecological health following implementation of a constructed wetland treatment system to treat village grey water (Domestic Wastewater)
2) Evaluate the potential economic and health benefits of improvements to the local village

Methods

1. Develop a set of indicators of water quality and ecological health that indicate environmental quality relevant to UN Sustainable Development Goals (water quality, food production, health)
2. Evaluate the benefits by comparing indicators at two village ponds: a control pond with no water treatment (Fig. 1) and a pond with constructed wetland treatment implemented (Fig. 2)

Fig. 1 Masahi Kala Pond
(Without treatment System)

Fig. 2 Ibrahimpur Masahi Pond
(With CW based Natural treatment System)

Indicator		Masahi Kala Pond	Ibrahimpur Masahi Pond
Water Quality: faecal coliforms and pathogens (health)		>4000 MPN/100 ml	Absent
Water Quality nutrients, Secchi, chlorophyll-a)		Very turbid (<0.1 m Secchi depth)	Clear water (>1m Secchi depth)
Water Quality dissolved oxygen / methane (fish health)		DO sensor to be installed Methane >10,000 ppm	DO sensor to be installed Methane 1,400 ppm
Ecological Quality: plant species and abundance (habitat, crops)		Filamentous algae	Water hyacinth
Ecological Quality: mosquito larvae abundance (human and animal health)		Mosquito larvae present	No mosquito larvae
Ecological Quality: fish catch per unit effort (sustainable fishery)		No Daphnia	Abundant *Daphnia* zooplankton

Conclusions

Immediate benefits of water treatment are clearly visible and are having measured positive impacts on water quality and ecological health that, if sustained, should lead to health and economic benefits

Further information: NIH, Roorkee/Laurence Carvalho, CEH Edinburgh, U.K.

AWARENESS & OUTREACH ACTIVITIES
ISO 9001
NABCB
Outreach Activities
Mass Awareness Activities in Villages
Educational Visits for Students
Participation in Exhibitions/Trade Fairs
A Short Film on Water Conservation
NIH News Letter "Hydrology for People"
Jal Chetna Magazine (Hindi)
Pravahiniee Magazine (Hindi)
Training Manual on "Water Conservation Awareness"
Activities under Swachh Bharat Mission
Trainings under National Water Mission
प्रवाहिनी
जल चेतना

Studies in Ganga River Basin

ng on strategic basin planning (with Deltares, The lands)

king with NMCG for water quality monitoring and riverfro lopment projects:

- Prioritization of Pollution Abatement Activities in Uttarakhand, Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand & West Bengal for Nirmal Ganga
- Survey of Big Drains Polluting River Ganga in District Haridwar
- Survey for River Front Development Sites in Uttarakhand
- Survey and mapping of drains in Uttarakhand and UP that are falling directly in Ganga river or its tributaries

. Ganga kosh – Ganga information portal

. Integrated Hydrological Studies for Upper Ganga Basin up to Rishikesh (NMSHE)

–Major themes of sub-projects: database processing and analysis, hydrological modeling, snow cover mapping, glaciers and glacial lake studies, e-flows, environmental assessment, glacier melt impact on groundwater, Isotope applications, hotspot analysis, website development and webGIS applications.

ational Mission on Himalayan Study (NMHS)

lood inundation mapping for Yamuna River near Agra (as directions)

STEPS TAKEN BY SCHOOL TO SAVE WATER

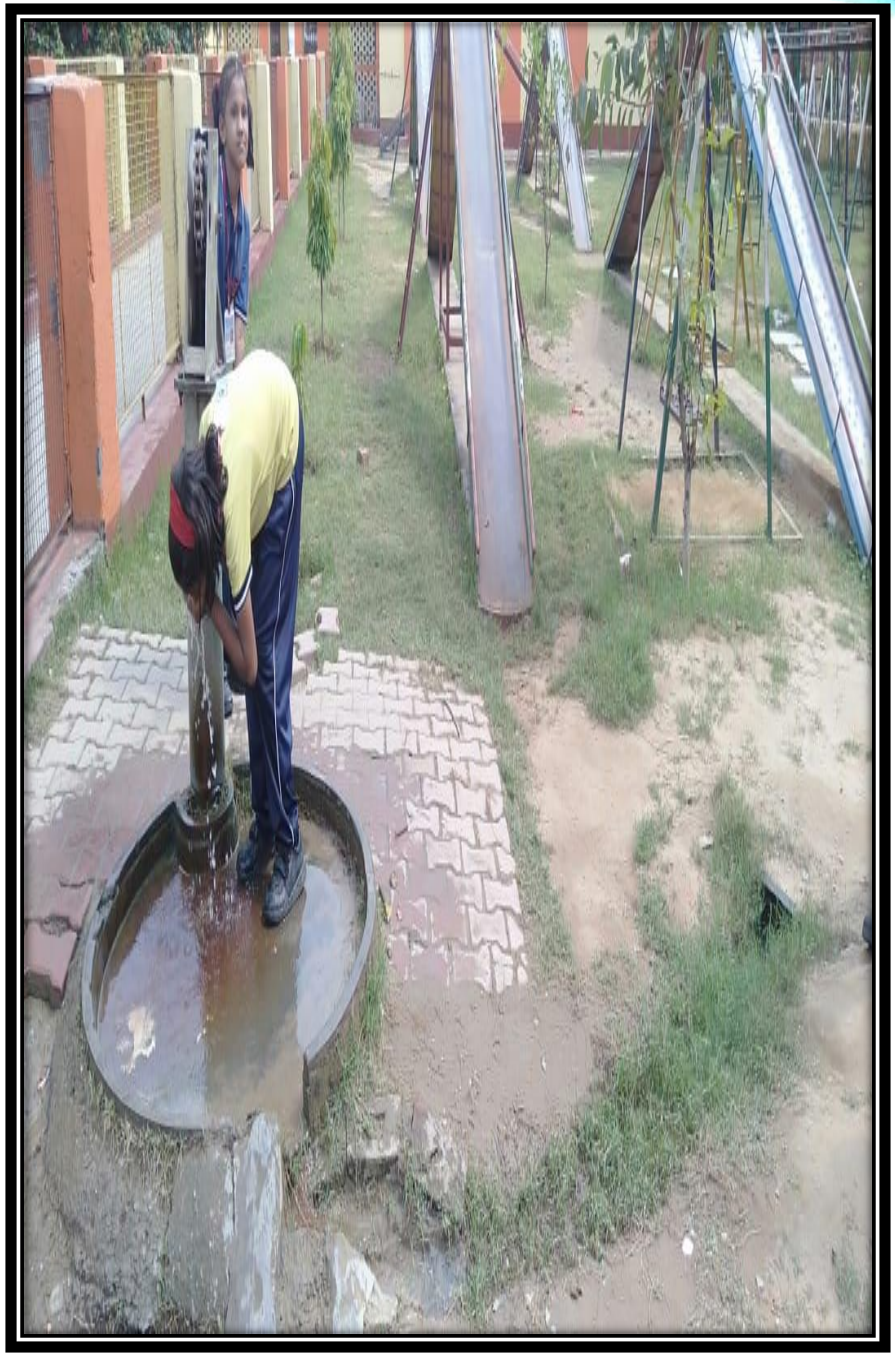

WATER TANKS

ESSAY WRITING COMPETITION ON SAVE WATER

निबंध लेखन प्रतियोगिता
जल संरक्षण

निबंध - लेखन प्रतियोगिता
शीर्षक - जल संरक्षण

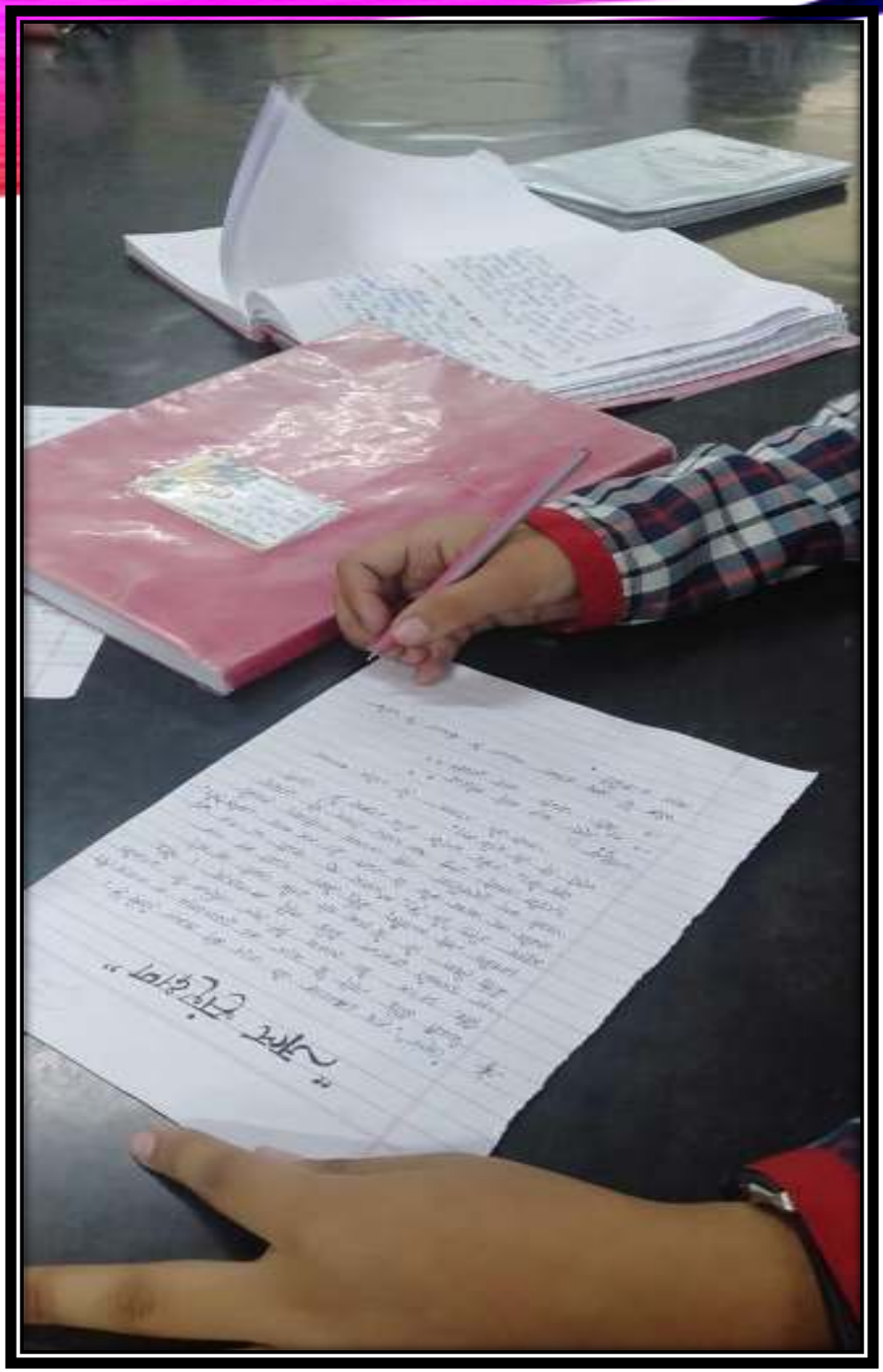

जल संरक्षण

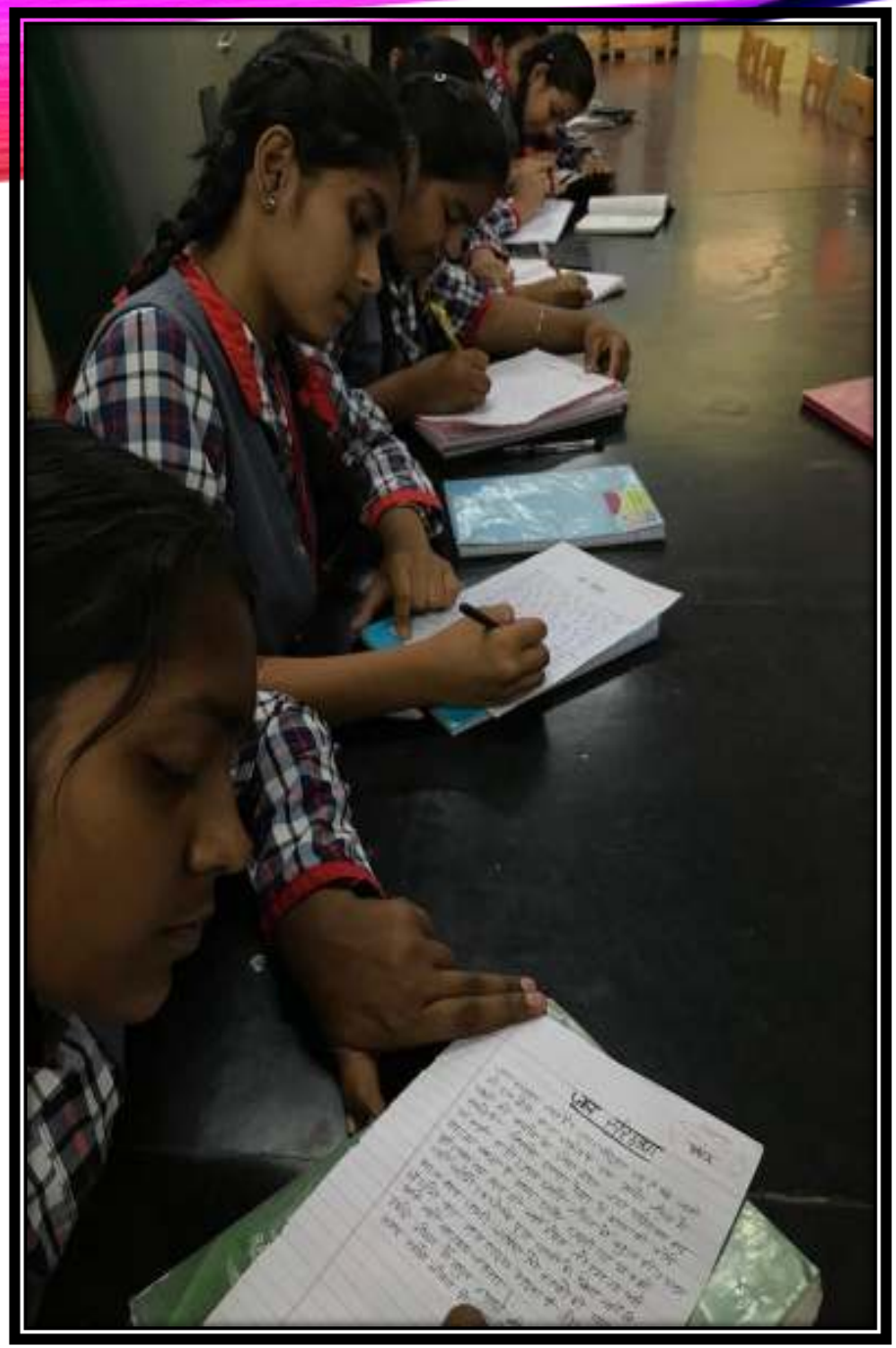

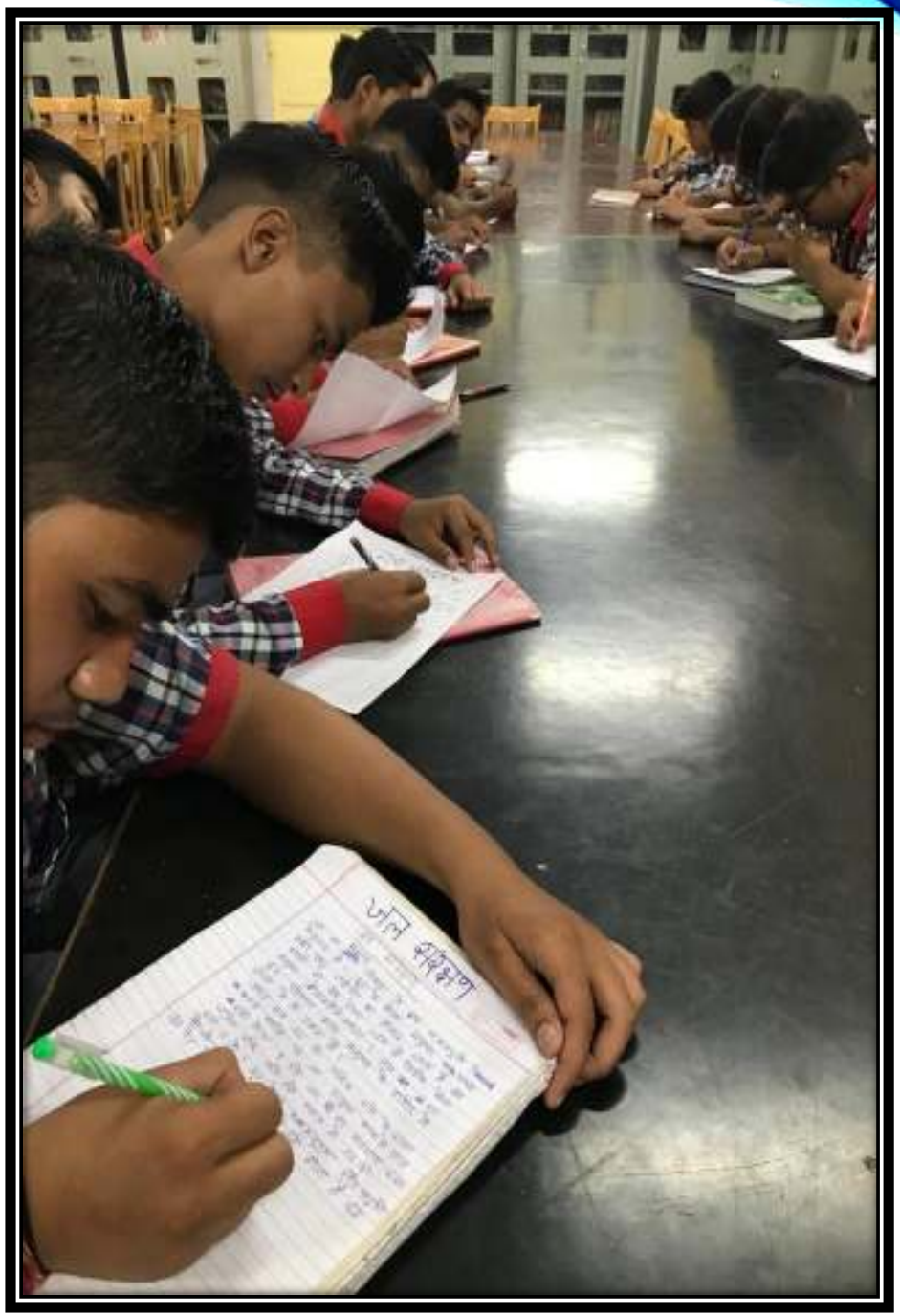

DEBATE COMPETITION ON WATER CONSERVATION

DEBATE ON
WATER
CONSERVATION

DEBATE ON
WATER
CONSERVATION

IDEAS/STATUS TO SAVE WATER-

1-STATUS OF WATER CONSERVATION
2-IDEAS OF WATER CONSERVATION
3-IDEAS OF WATER MANAGEMENT

STATUS OF WATER CONSERVATION IN OUR SCHOOL

IDEA	STATUS	IMAGE
Rain Water Harvesting	The school have its Rain water harvesting plant to recharge the ground water. Its capacity is Approx 50000 litre.	
Water harvesting	Water tank of 1000 litre has been already constructed.	
Dry Farming	The school have planned to start it in near future.	
UltaChaata Campaign	The school have already started the campaign and it is under processing.	

IDEA 2 WATER CONSERVATION

NEED: Reduce the water consumption and water cost

What is the idea?	Advantage/Gain	Saving	
Rainwater harvesting plant	*Recharge of ground water * It can be used for irrigation within the school campus * It can be used as drinking water	Saving of 5 Lakh litre per year	
Dry farming	*It conserve soil moisture during long dry period * Water saving	Saving of 1.5 Lakh litre per year	
Ulta Chaata Campaign	*Collection of water in rainy season *Power can be generate through this Campaign	Saving of of 8 Lakh litre of water per year	

Benefit:- Water saving of 14.5 Lakh litres per year
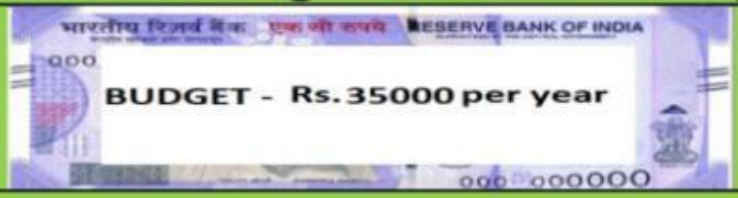

IDEA 3 WATER MANAGEMENT

NEED: To planning, developing, distributing and optimum use of water resources

What is the idea?	Advantage/Gain	Saving	
Water saving fixtures to be installed	Reduce the water consumption	Saving of 75000 litre per year	
Water level indicators or alarms/controllers in water tanks	Avoid the overflow of water	Saving of 2 Lakh litre per year	
Waste water from Air Conditioners (12) to be used in irrigation	Water to be managed for irrigation of 2500 m2 area	Saving of of 3 Lakh litre of water per year	
Waste water from RO Systems (08) to be used in irrigation	Water to be managed for irrigation of 5000 m2 area	Saving of of 4.5 Lakh litre of water per year	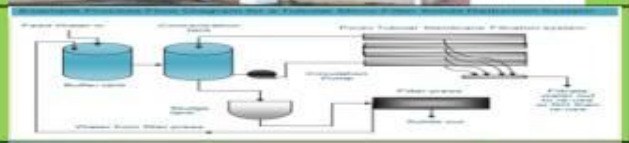
Students to be motivated to empty their water bottles in collection tank after school hours	Use of water for irrigation	Saving of of 2 Lakh litre of water per year	
Drip irrigation system to be used in school	Reduce water consumption	Saving of of 4 Lakh litre of water per year	
Urinal Sink Combo to be used in washrooms	Reduce water consumption	Saving of of 3 Lakh litre of water per year	

Benefit:- Water saving of 19.25 Lakh litres per year

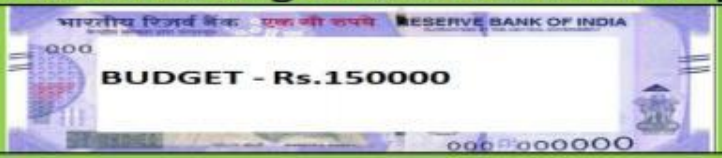

CURRENT STATUS OF WATER IN OUR VIDYALAYA AFTER IMPLIMENTATION OF THESE IDEAS

S.NO.	IDEA	SAVING OF WATER
1.	SAVE WATER OF A.C.	300 litre per day
2.	SAVE WATER OF RO	1600 litre per day
3.	SAVE WATER BY HAND PUMP WATER HARVESTING	150 litre per day
4.	SAVE WATER BY RAIN WATER HARVESTING TANK	More than 500000 litre per year
5.	SAVE WATER BY RAINGARDEN	More than 20000 litre per year
6.	SAVE WATER BY WATER EFFICIENT TAPS	More than 500 litre water per day
7.	WATER BANK BY LEFT WATER OF WATER BOTTLE	More than 500 litre water per day

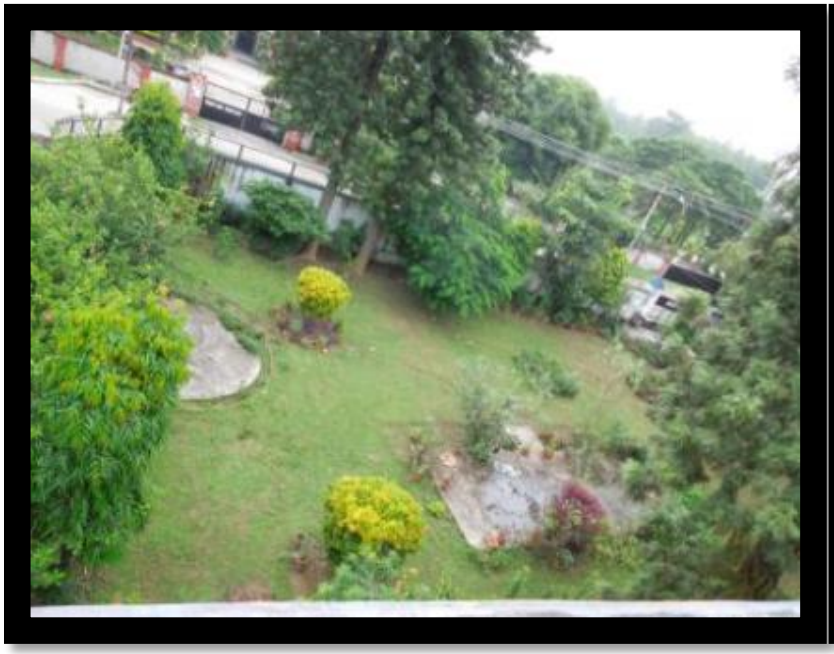

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक – एक
KENDRIYA VIDYALAYA NO.1
R.E.G. & C. ROORKEE (UTTARAKHAND)

THANK
YOU